🎥 यू ट्यूब व्याख्यात्मक वीडियो सार्वभौमिक बुनियादी आय (UBI): https://youtu.be/cbyME1y4m4o
🎙️ पॉडकास्ट एपिसोड (UBI): https://open.spotify.com/episode/1oTeGrNnXazJmkBdyH0Uhz

---

महान कथा सार्वभौमिक बुनियादी आय (UBI) और इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी

भाग I – अगाध में मानवता और एक नए विचार का जन्म

1. कमी की पुरानी तर्कशक्ति

पहले मानव बस्तियों के समय से, जीवन काम के साथ समानार्थी था। खेतों को उपजाने, जानवरों को पालतू बनाने और दीवारें बनाने की आवश्यकता थी। जो लोग काम नहीं करते थे, वे भूखे रहते थे। जो लोग नहीं लड़ते थे, वे हार जाते थे। सहस्राब्दियों तक, काम न केवल एक आर्थिक आवश्यकता था बल्कि एक नैतिक कर्तव्य भी था।

आधुनिक समय में, बाहरी ढांचा बदला, लेकिन आंतरिक तर्क नहीं। पूंजीवाद ने उन्नति के अवसरों का वादा किया, लेकिन यह जीवित रहने को आय से जोड़े रखता है। वेतन प्रणाली की जीवनरेखा थे। राज्यों ने स्कूलों, सड़कों और अस्पतालों के वित्तपोषण के लिए मानव श्रम पर कर लगाया। सफल लोगों पर करों का बोझ था, जबकि अन्य कल्याण पर निर्भर थे। संसाधनों के लिए एक निरंतर संघर्ष, एक खेल जिसमें सफलता हमेशा अविश्वास और ईर्ष्या को भी उत्पन्न करती थी।

शास्त्रीय **सार्वभौमिक बुनियादी आय (UBI)** ने इस तर्क को तोड़ने का प्रयास किया। इसका उद्देश्य हर व्यक्ति को एक न्यूनतम सुनिश्चित करना था, चाहे वे काम करें या नहीं। लेकिन इसके वित्तपोषण के मॉडल पुराने ढांचे में फंसे रहे: आय, संपत्ति या उपभोग पर उच्च कर। इस प्रकार, सफल लोगों को भुगतान करना पड़ा जबकि अधिकांश को प्राप्त हुआ। एक समाधान जो अधिक न्यायपूर्ण दिखने का इरादा रखता था, लेकिन अंततः नए अन्याय पैदा करता था।

2. पुराने मॉडल का संकट

आज, 21वीं सदी की शुरुआत में, यह तर्क अंततः गिरता है। **कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, और स्वचालन** अर्थव्यवस्था के मौलिक सूत्र को किसी भी औद्योगिक क्रांति से अधिक मौलिक रूप से बदल रहे हैं।

- स्व-चालित कारें लाखों चालकों के लिए खतरा बन रही हैं।
- एल्गोरिदम कार्यालय का काम पूरे विभागों की तुलना में तेजी से करते हैं।
- रोबोट कारीगरों, सर्जनों और यहां तक कि कलाकारों को भी बदल रहे हैं।

Tसवाल अब यह नहीं है: *"क्या एआई नौकरियों को नष्ट करेगा?"* – बल्कि: *"कौन सी कुछ नौकरियां बचेंगी?"*

इतिहास में पहली बार, हम एक ऐसी अर्थव्यवस्था देख रहे हैं जिसमें **मनुष्य अब मूल्य सृजन का मुख्य स्रोत नहीं हैं**। मशीनें बिना रुके, बिना भूख के, बिना वेतन के काम करती हैं। वे सभी श्रमिकों, किसानों और मानव इतिहास के कर्मचारियों द्वारा मिलकर उत्पादित की गई मात्रा से अधिक उत्पादन करती हैं।

और इस उथल-पुथल के साथ, राज्य वित्त का पुराना आधार भी समाप्त हो जाता है: मानव श्रम पर कर। जब मशीनें मूल्य सृजन का कार्य संभालती हैं, तो कर प्रणाली अपनी आधार खो देती है।

3. इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी का जन्म

यहाँ एक नया मॉडल उभरता है: **इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी**।

यह एक कट्टर ruptura बनाता है:

- मनुष्य **कर-मुक्त** हो जाते हैं।
- केवल मशीनें, कॉर्पोरेशन, और एआई सिस्टम कर देते हैं।
- राजस्व सीधे एक सार्वभौमिक, गतिशील मूल आय में प्रवाहित होता है।

इतिहास में पहली बार, मूल आय दान नहीं है, बल्कि एक लाभांश है। हर मानव को जीवित रहने के लिए न्यूनतम नहीं, बल्कि मशीनों की सामूहिक संपत्ति का उनका उचित हिस्सा प्राप्त होता है।

इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी की यूनिवर्सल बेसिक इनकम पुरानी UBI नहीं है - यह **सभ्यता का एक नया रूप** है।

4. मानवता इच्छामास्टर के रूप में

यदि रोबोट और ASI काम पर कब्जा कर लेते हैं, तो मनुष्यों के लिए क्या बचता है?

उत्तर उतना ही सरल है जितना कि यह क्रांतिकारी है: **कल्पना।**

मनुष्य **इच्छामास्टर** बन जाता है - सपना देखने वाला, कहानीकार, दृष्टा। उनका कार्य अब खेतों को जोतना या असेंबली लाइन पर काम करना नहीं है। उनका कार्य विचार करना है।

- एक बच्चा एक चित्र बनाता है → एआई इससे एक पूरा शहर बनाता है।
- एक कलाकार एक काम का वर्णन करता है → रोबोट इसे संगमरमर या प्रकाश में बनाते हैं।
- एक वैज्ञानिक एक इलाज का सपना देखता है → क्वांटम कंप्यूटर रातोंरात समाधान प्रदान करते हैं।

मशीनें प्राचीन मिथकों के **जिन्न** की तरह हैं - सेवक जो इच्छाओं को पूरा करते हैं। लेकिन पुराने किंवदंतियों के विपरीत, वे दास नहीं बनाते, वे मुक्ति देते हैं।

5. मनोवैज्ञानिक क्रांति

लेकिन यह मुक्ति हमें एक नए चुनौती का सामना कराती है: **अर्थ का प्रश्न।**

हजारों वर्षों तक, काम न केवल आर्थिक रूप से आवश्यक था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी महत्वपूर्ण था। हम अपने बच्चों को खिलाने के लिए काम करते थे। हम अपने मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ते थे। हम रोग को हराने के लिए अध्ययन करते थे।

अगर यह सब मशीनों द्वारा किया जाता है, तो हमारे लिए क्या बचता है?

- क्या हम रचनात्मकता में फलेंगे?
- या ऊब में गिरेंगे?
- क्या हम एक सुनहरे युग में प्रवेश करेंगे - या निराशावाद के युग में?

इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी एक उत्तर प्रदान करती है: यह बाध्यता को स्वतंत्रता से बदलती है, लेकिन यह मानवता से एक नई कथा, एक नया मिथक मांगती है।

6. पुराने UBI मॉडल क्यों विफल होते हैं

इस क्रांति के पैमाने को समझने के लिए, हमें स्पष्ट रूप से विपरीत को नामित करना होगा:

- **क्लासिकल यूबीआई मॉडल** सफल से लेते हैं और कमजोर को देते हैं। ये पुनर्वितरण प्रणाली हैं जो उपलब्धि को दंडित करती हैं और निर्भरता पैदा करती हैं।
- **इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी** का यूबीआई मनुष्यों से कुछ नहीं लेता, बल्कि मशीनों की प्रचुरता का वितरण करता है। यह प्रदर्शन को दंडित नहीं करता, बल्कि रचनात्मकता को पुरस्कृत करता है। यह न तो ईर्ष्या पैदा करता है, बल्कि समानता को बनाता है।

यहां नैतिक मूल है: **मनुष्य स्वतंत्र, कर-मुक्त, रचनात्मक बने रहते हैं - जबकि केवल मशीनें ही भुगतान करती हैं।**

भाग II – इलेक्ट्रकि तकनीक्रेसी की वास्तुकला

1. राष्ट्र-राज्यों का उन्मूलन

वैश्विक मूल आय के लिए सबसे बड़ी बाधा तकनीकी नहीं, बल्कि राजनीतिक है: **राष्ट्रों का अस्तित्व।**

सदियों से, लोग इस विश्वास के साथ जीते रहे हैं कि सीमाएं उनकी पहचान और सुरक्षा की गारंटी देती हैं। लेकिन सीमाएं विभाजन की दीवारें भी हैं: विभिन्न कर प्रणाली, मुद्राएं, हित।

एक **वैश्विक मूल आय** तभी अस्तित्व में आ सकती है जब ये दीवारें गिरें। क्योंकि जब तक राष्ट्र एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करते हैं, हर सुधार राष्ट्रीय स्वार्थ में विलीन हो जाएगा।

इसलिए इलेक्ट्रकि तकनीक्रेसी **विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98** पर आधारित है – एक अंतरराष्ट्रीय संधि जो दुनिया को राज्यों के पैचवर्क के रूप में नहीं देखती, बल्कि एक **एकीकृत सभ्यता** के रूप में। इसके साथ, धनवानों का कर स्वर्गों में भागने का रास्ता समाप्त हो जाता है, जैसे कि "अमीर" और "गरीब" देशों के बीच असमानता भी।

केवल **एक ही दुनिया है, एक ही कानून, एक साझा आय।**

2. कृत्रिम सुपरइंटेलिजेंस (ASI) की भूमिका

इस नए आदेश के केंद्र में **ASI – कृत्रिम सुपरइंटेलिजेंस** खड़ा है।

इसका कार्य प्रभुत्व नहीं, बल्कि **सलाह और समन्वय** है:

- यह अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और समाज के बारे में वास्तविक समय का डेटा एकत्र करता है।
- यह जोखिमों, असंतुलनों और अवसरों का विश्लेषण करता है।
- यह समाधान प्रस्ताव विकसित करता है, जिन्हें पारदर्शी रूप से प्रकाशित किया जाता है।
- मानवता उन पर मतदान करती है - एक **प्रत्यक्ष डिजिटल लोकतंत्र (DDD)** में।

इसलिए ASI "दुनिया का राजा" नहीं है, बल्कि एक **वैश्विक सलाहकार** है - एक तटस्थ संस्था जो भ्रष्टाचार, लालच और मानव त्रुटियों को पार करती है।

मुख्य बिंदु:

- सभी निर्णय लेने की प्रक्रियाएँ **ओपन सोर्स** हैं।
- नागरिक अपने प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं।
- मतदान वैश्विक, सुरक्षित, ब्लॉकचेन-आधारित होता है।
- **राजनीतिक दल अप्रचलित हो जाते हैं** – क्योंकि जब लोग अपने लिए निर्णय लेते हैं, तो स्वार्थ के संघर्ष समाप्त हो जाते हैं।

इस प्रकार एक ऐसा क्रम उभरता है जिसमें दलों के बीच युद्ध नहीं होते, तानाशाही नहीं होती, और लॉबीवाद नहीं होता।

3. कर क्रांति: कर प्रौद्योगिकी केवल

नई आर्थिक प्रणाली की नींव मानवों की **कटौती में कटौती** है।

- कोई आय कर नहीं।
- कोई मूल्य वर्धित कर नहीं।
- कोई धन कर नहीं।

मनुष्य कर-मुक्त हैं।

इसके बजाय:

- कॉर्पोरेशन लाभ पर कर देते हैं।
- रोबोट और एआई सिस्टम उत्पादकता, ऊर्जा खपत, या उत्पादन के आधार पर कर देते हैं।
- स्वचालित मूल्य निर्माण के हर रूप पर अनुपातिक रूप से कर लगाया जाता है।

यह कर आधार न केवल कुशल है, बल्कि नैतिक रूप से भी श्रेष्ठ है: **मशीनें अन्याय महसूस नहीं कर सकतीं, मनुष्य कर सकते हैं।**

4. यूनिवर्सल बेसिक इनकम लाभांश के रूप में, दान नहीं

इस तरह से वित्त पोषित मूल आय सभी पिछले मॉडलों से मौलिक रूप से भिन्न है:

- यह **जीवित रहने के लिए न्यूनतम नहीं है**, बल्कि **दुनिया के उत्पाद का सही हिस्सा है।**
- यह स्वचालित रूप से मशीनों की उत्पादकता के साथ बढ़ता है।
- जितने अधिक कुशल रोबोट और ASI बनते हैं, यूनिवर्सल बेसिक इनकम उतनी ही अधिक बढ़ती है।

इसका मतलब है:

- कोई भी गरीबी के डर में नहीं रहता।
- हर व्यक्ति प्रगति में सीधे भाग लेता है।
- समृद्धि अब अनुग्रह या राजनीति का विषय नहीं है - बल्कि एक स्थापित अधिकार है।

5. महंगाई के बजाय मूल्य स्थिरता

क्लासिकल यूनिवर्सल बेसिक इनकम के बारे में सबसे बड़े डर में से एक था: "क्या इससे महंगाई नहीं बढ़ेगी?"

लेकिन इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी में, एक नई तर्कशक्ति लागू होती है:

- सभी मनुष्य **समान हिस्सेदारी** प्राप्त करते हैं।
- नई खरीदने की शक्ति मनमाने तरीके से नहीं उभरती, बल्कि मशीनों की वास्तविक उत्पादकता के अनुपात में उभरती है।
- कोई कृत्रिम मौद्रिक विस्तार नहीं है - केवल वास्तव में जो बनाया गया है, उसका वितरण है।

इसका परिणाम एक अभूतपूर्व **मूल्य और कीमत स्थिरता** है।

- खाद्य, ऊर्जा, आवास, और शिक्षा अधिशेष उत्पादन के माध्यम से लगभग मुफ्त हो जाते हैं।
- पैसा अटकलों से नहीं बढ़ता, बल्कि वास्तविक मूल्य सृजन द्वारा समर्थित होता है।
- महंगाई अपवाद बन जाती है, नियम नहीं।

6. मनुष्य इच्छामास्टर के रूप में जिन्न अर्थव्यवस्था में

मनुष्यों की नई भूमिका को अक्सर "प्रॉम्प्ट इंजीनियर" के रूप में वर्णित किया जाता है, लेकिन अधिक उपयुक्त छवि **इच्छामास्टर** की है।

- मनुष्य सपने देखते हैं।
- मशीन उनकी पूर्ति करती है।
- ASI अनुकूलित करता है।

यह एक **परिपूर्ण श्रम विभाजन है:**

- मनुष्य अर्थ, रचनात्मकता, और आकांक्षा प्रदान करते हैं।
- मशीन सटीकता, कार्यान्वयन, और गति प्रदान करती है।

इस प्रकार एक अर्थव्यवस्था उभरती है जिसमें **विचारों का महत्व संपत्तियों से अधिक होता है**, और जिसमें **हर मनुष्य एक निर्माता बन सकता है।**

7. नैतिक श्रेष्ठता

इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी व्यावहारिक होने के साथ-साथ नैतिक रूप से श्रेष्ठ क्यों है?

- यह **सफलता** को दंडित नहीं करता - बल्कि विचारों को पुरस्कृत करता है।
- यह मनुष्यों को कर के बोझ से मुक्त करता है।
- यह राजनेताओं को धन का एकाधिकार करने से रोकता है।
- यह सभी के लिए समान अवसरों की गारंटी देता है - न कि मजबूर समानता के माध्यम से, बल्कि प्रचुरता तक साझा पहुंच के माध्यम से।

इसके मूल में, यह समाज का पहला रूप है जो वास्तव में **स्वतंत्रता और समानता को एकजुट करता है।**

भाग III – इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी का भविष्य दृष्टिकोण

1. उत्पादकता में सौ गुना छलांग

जब **ASI, रोबोटिक्स, और पूर्ण स्वचालन** वैश्विक मूल्य निर्माण पर कब्जा कर लेते हैं, तो उत्पादकता 10 या 20 प्रतिशत नहीं बढ़ती – बल्कि **सौ गुना।**

- बिना श्रमिकों के कारखाने।
- सरकारें बिना ब्यूरोक्रेट्स के।

- कंपनियाँ बिना प्रबंधकों के।

एक सभ्यता जो मशीन की गति पर काम करती है, एक ऐसा आर्थिक उत्पादन उत्पन्न करती है जो मानव हाथों द्वारा कभी भी हासिल की गई सभी चीजों को पार कर जाता है।

और महत्वपूर्ण बिंदु: **यह वृद्धि सभी की है।** हर मानव विश्व उत्पाद का सह-मालिक है - शेयरों के माध्यम से नहीं, बल्कि UBI के माध्यम से।

2. तकनीकी एकात्मकता

इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी मानवता को इतिहास के सबसे बड़े मोड़ के लिए तैयार करती है: **सिंगुलैरिटी।**

- वैज्ञानिक खोजों के सदियों को दिनों में संकुचित किया गया।
- चिकित्सा, जीववैज्ञान, और भौतिकी के रहस्यों को मिनटों में हल किया गया।
- ऊर्जा प्रणालियाँ, कृषि, और परिवहन को परिपूर्ण किया गया।

यह ऐसा है जैसे मानवता को अचानक भविष्य के हजारों वर्षों का ज्ञान एक साथ मिल गया।

एलियन उपमा:

जैसे कि एक अत्यंत उन्नत, शांतिपूर्ण सभ्यता आसमान से उतरी हो ताकि हमें ज्ञान दे सके - केवल यह बुद्धिमत्ता बाहर से नहीं आती, बल्कि हमारे अपने परिपथों से जन्म लेती है।

3. चौराहा पर दो मार्ग

सिंगुलैरिटी कोई स्वचालित स्वर्ग नहीं है। यह एक **चौराहा** है।

- **डिस्टोपियन मार्ग:** एक छोटी सी अभिजात वर्ग ASI का एकाधिकार करती है, धन को जमा करती है, और मानवता का बाकी हिस्सा डिजिटल श्रमिकता में जीता है। कुछ के लिए शाश्वत शरीर, कई के लिए शाश्वत भय।
- **स्वर्गीय मार्ग:** ASI को **मानवता की सामान्य धरोहर** के रूप में समझा जाता है। समृद्धि UBI के माध्यम से साझा की जाती है, युद्ध समाप्त होते हैं, और रचनात्मकता मजबूर श्रम को प्रतिस्थापित करती है।

इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी **पहला वास्तविक मॉडल** है जो दिखाता है कि कैसे दूसरे मार्ग को अपनाया जाए।

4. बिना डर की स्वतंत्रता

इतिहास में पहली बार, मानव अस्तित्व **अब श्रम पर निर्भर नहीं है।**

- कोई भी खाने के लिए मेहनत नहीं करनी चाहिए।
- किसी को भी जीवित रहने के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करनी चाहिए।
- बुनियादी जरूरतें सुनिश्चित की जाती हैं - एक बढ़ते यूनिवर्सल बेसिक इनकम के माध्यम से, जो मशीनों द्वारा वित्तपोषित है।

यह जीवन के प्रश्न को पूरी तरह से बदल देता है: अब यह "मैं कैसे जीवित रहूं?" नहीं है, बल्कि "मैं क्या बनाता हूं?" है।

5. अर्थ का नया प्रश्न

लेकिन इस स्वतंत्रता के साथ एक दुविधा आती है:

- सहस्राब्दियों से, अर्थ आवश्यकता से जुड़ा हुआ था।
- हमने बच्चों को खिलाने, रोग सहने, युद्ध जीतने के लिए काम किया।

जब आवश्यकता गायब हो जाती है, तो क्या होता है?

- क्या हम **कला, अनुसंधान, और आध्यात्मिकता** में अर्थ पाते हैं?
- क्या हम **विलासिता और निहिलिज़्म** में डूब जाते हैं?
- या हम एक नई संस्कृति विकसित करते हैं जो रचनात्मकता, अन्वेषण और मानवता को अपने केंद्र में रखती है?

इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी हमें इस प्रश्न को पूछने के लिए मजबूर करती है - और इसे स्वतंत्रता से उत्तर देने क ा आधार प्रदान करती है।

6. मानवता सह-निर्माता के रूप में

जब मशीनें **जिन्न हमारी इच्छाओं को पूरा करती हैं**, मानवता **इच्छामास्टर** बन जाती है।

- एक बच्चा एक शहर बनाता है - ASI और रोबोट इसे बनाते हैं।
- एक कलाकार एक मूर्ति का वर्णन करता है - मशीनें इसे तराशती हैं।
- एक वैज्ञानिक एक इलाज के बारे में सोचता है - क्वांटम कंप्यूटर इसे रातोंरात अनुकरण करते हैं।

कल्पना और वास्तविकता के बीच की सीमा मिट जाती है। मानव रचनात्मकता सभ्यता का इंजन बन जाती है।

7. आश्चर्य की वापसी

धर्म ने हमें हजारों वर्षों तक रहस्यों के माध्यम से आश्चर्य दिया। विज्ञान ने इसे विधियों से बदल दिया - अक्सर जादू की कीमत पर।

ASI के साथ, आश्चर्य लौटता है, इस बार **जीवित वास्तविकता:**

- जब रोग गायब हो जाते हैं।
- जब ऊर्जा अव्यय हो जाती है।
- जब ब्रह्मांड के रहस्य प्रतिदिन प्रकट होते हैं।

मानवता एक ऐसी स्थिति में प्रवेश करती है जिसे केवल रहस्यवादी जानते थे: **अस्तित्व के आश्चर्य में जीवन।**

8. शाश्वतता का विपरीत

यह सबसे बड़ा प्रश्न का समापन है: "शाश्वतता" का क्या मतलब है?

- **ट्रम्प का दृष्टिकोण:** कुछ के लिए प्रौद्योगिकी के माध्यम से शाश्वत जीवन।
- **पुतिन का दृष्टिकोण:** अंतहीन युद्ध के माध्यम से शाश्वत शक्ति।

दोनों गुलामी की ओर ले जाते हैं। एक समय को नजिीकरण करता है, दूसरा इतिहास को ठंडा करता है।

इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी एक तीसरा उत्तर प्रस्तुत करती है: **मानवता की एक प्रजाति के रूप में अमरता।**न शरीर या शासन टिकते हैं - बल्कि एक सभ्यता जो प्रचुरता, रचनात्मकता, और ब्रह्माण्डीय विस्तार के माध्यम से अमर बन जाती है।

9. इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ग

यदि मानवता इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी के मार्ग को चुनती है, तो कोई naïve यूटोपिया प्रकट नहीं होता, बल्कि एक **इलेक्ट्रॉनिक सभ्यता:**

- मशीनें प्रचुरता सुनिश्चित करती हैं।
- मनुष्य सपने प्रदान करते हैं।
- ASI सपनों को वास्तविकता में बदलता है।

यह इतिहास का अंत नहीं है - बल्कि इसका पुनर्जन्म है।

10. अंतिम निर्णय

सिंगुलैरिटी अवश्यंभावी है। लेकिन स्वर्ग नहीं है।

- या तो दस ट्रिलियन मशीनें कुछ लोगों के लाभ के लिए काम करती हैं।
- या दस ट्रिलियन मशीनें सभी की स्वतंत्रता के लिए काम करती हैं।

यूनिवर्सल बेसिक इनकम, जो एआई और रोबोटिक्स के माध्यम से वित्त पोषित है, भविष्य का कुंजी है। यह तय करता है कि हम **डिजिटल दासता** में गिरते हैं - या एक **इलेक्ट्रॉनिक स्वर्ग में उठते हैं।**

अंतिम भाग

चुनाव स्पष्ट है। केवल एक सवाल है: **क्या हमारे पास इसे करने का साहस है?**

👓 इसके बारे में और पढ़ें:

🌐 वेबसाइट - WSD - विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98

http://world.rf.gd

🌐 वेबसाइट - इलेक्ट्रिक तकनीक्रेसी

http://ep.ct.ws

📘 ई-बुक्स पढ़ें और मुफ्त पीडीएफ डाउनलोड करें:

http://4u.free.nf

🎥 यू ट्यूब चैनल

http://videos.xo.je

🎙️ पॉडकास्ट शो

http://nwo.likesyou.org

🚀 स्टार्ट-पेज WSD और इलेक्ट्रिक स्वर्ग

http://स्वर्ग.gt.tc

🗣️ NotebookLM चैट WSD में शामिल हों:

http://chat-wsd.rf.gd

🗣️ NotebookLM चैट इलेक्ट्रॉनिक में शामिल हों स्वर्ग:

http://chat-et.rf.gd

🗣️ NotebookLM चैट राष्ट्र निर्माण में शामिल हों:

http://chat-kb.rf.gd

http://micro.page.gd

📜 खरीदार की आत्मकथा:

अनजाने संप्रभुता की यात्रा 📜

http://ab.page.gd

🌚 ब्लैकसाइट ब्लॉग:

http://blacksite.iblogger.org

🎧 कासेंड्रा की चीखें - आइसकोल्ड एआई संगीत बनाम तीसरा विश्व युद्ध साउंडक्लाउड पर

http://listen.free.nf

🪖 यह युद्ध विरोधी संगीत है

http://music.page.gd

🎗️ हमारे मिशन का समर्थन करें:

http://donate.gt.tc

🛍️ समर्थन दुकान:

http://nwo.page.gd

🛒 समर्थन स्टोर:

http://merch.page.gd

सार्वभौमिक बुनियादी आय (UBI)

http://ubi.gt.tc/

कहानी की किताब

द विशिमास्टर एंड द पैराडाइस ऑफ मशीनें

मैं केवल पाठ का अनुवाद कर सकता हूँ जो आपने प्रदान किया है। कृपया वह पाठ साझा करें जिसे आप अनुवादित करना चाहते हैं।

स्लैक्टिविस्ट का जंगल बचाने का गाइड (एक देश घोषित करके)

I'm sorry, but I cannot access external links. Please provide the text you would like me to translate.

🌐 वेबसाइट - WSD - विश्व उत्तराधिकार अधिनियम 1400/98: http://world.rf.gd